अबाबील के गीत

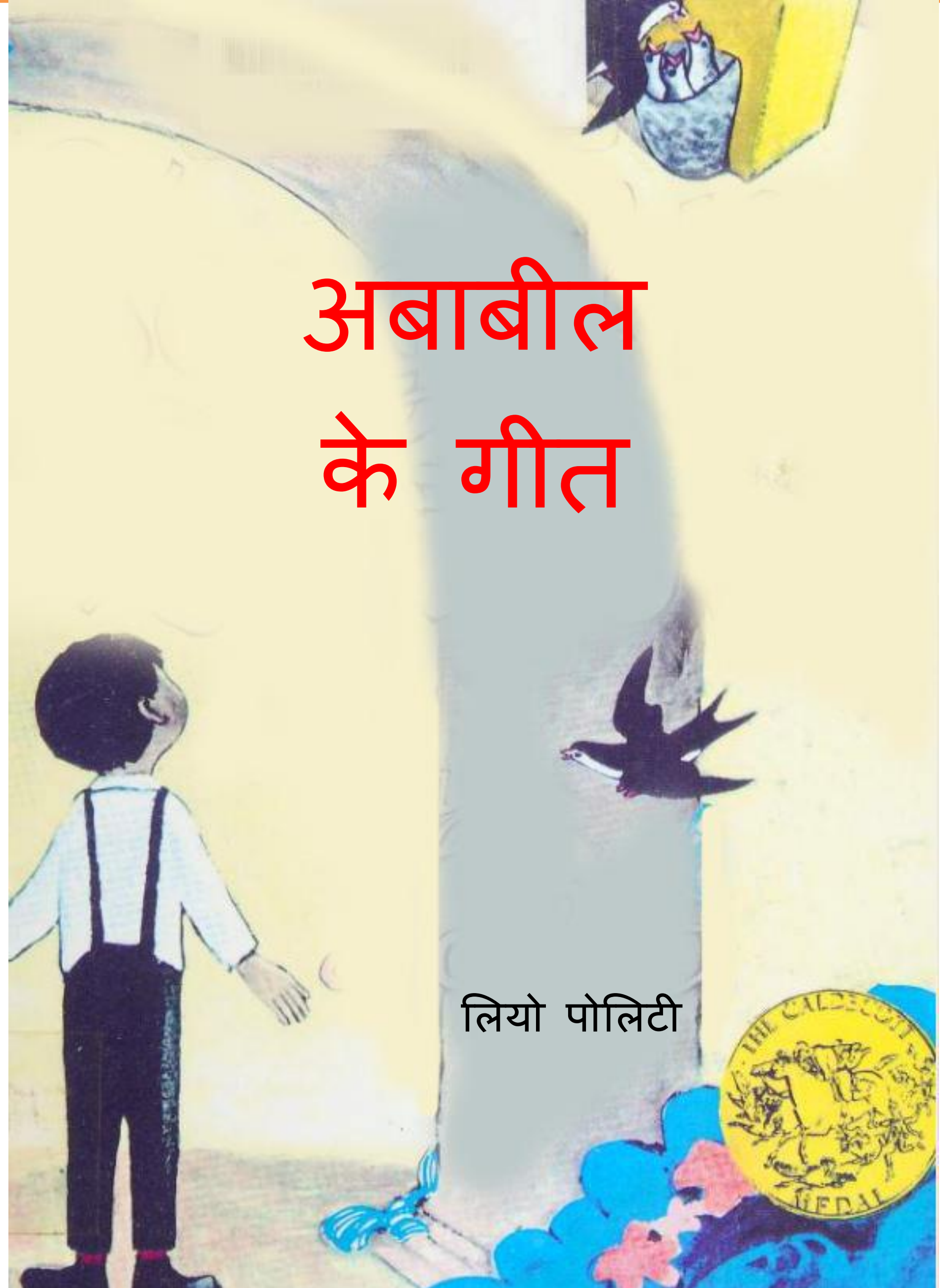

लियो पोलिटी

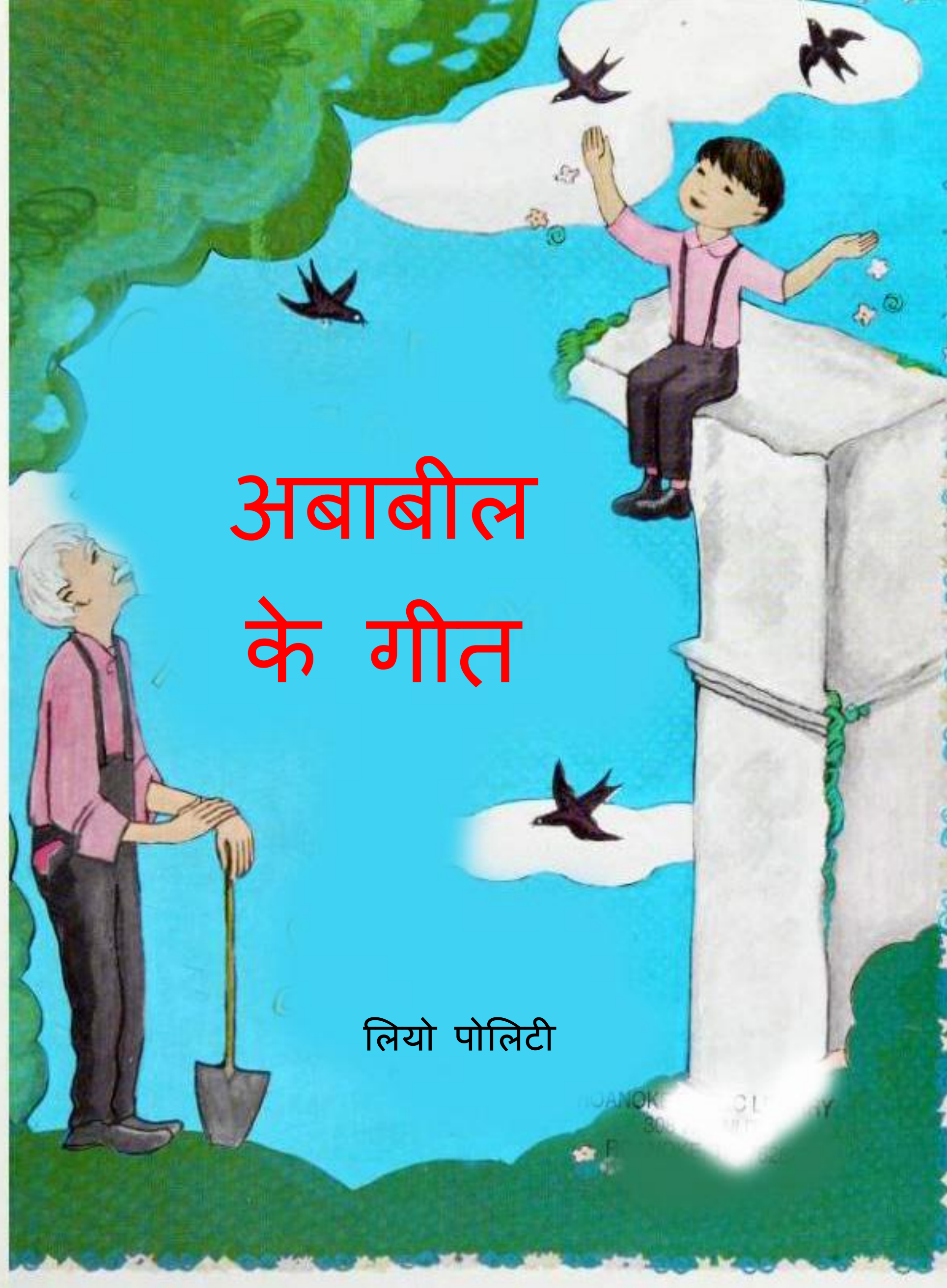

अबाबील के गीत

लियो पोलिटी

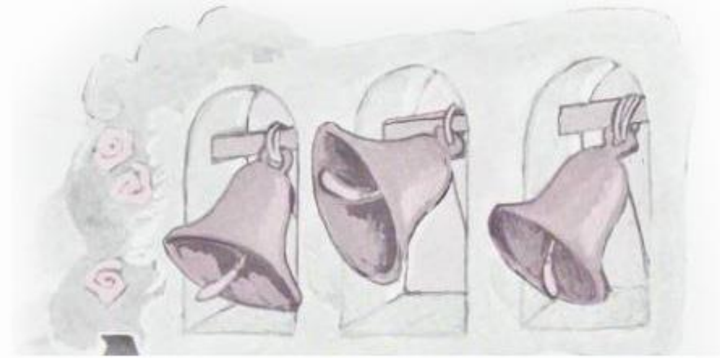

समुद्र के पास निचली और नरम पहाड़ियों के तल पर, कैपिस्ट्रानो नाम का छोटा सा गाँव था.

बसंत की उस सुबह वहां पर मिशन चर्च की घंटियाँ बज रही थीं.

जुआन, मिशन के पास के छोटे से स्कूल के रास्ते में गाँव से होते हुए सड़क पर दौड़ता हुआ आया. वो फूलों से भरे बगीचों से होते हुए "पवित्र उद्यानों" के आँगन की ओर भागा. वहाँ पर वो बूढ़े जूलियन से बात करने के लिए रुका:

"गुड मॉर्निंग, जूलियन."

"गुड मॉर्निंग, जुआन."

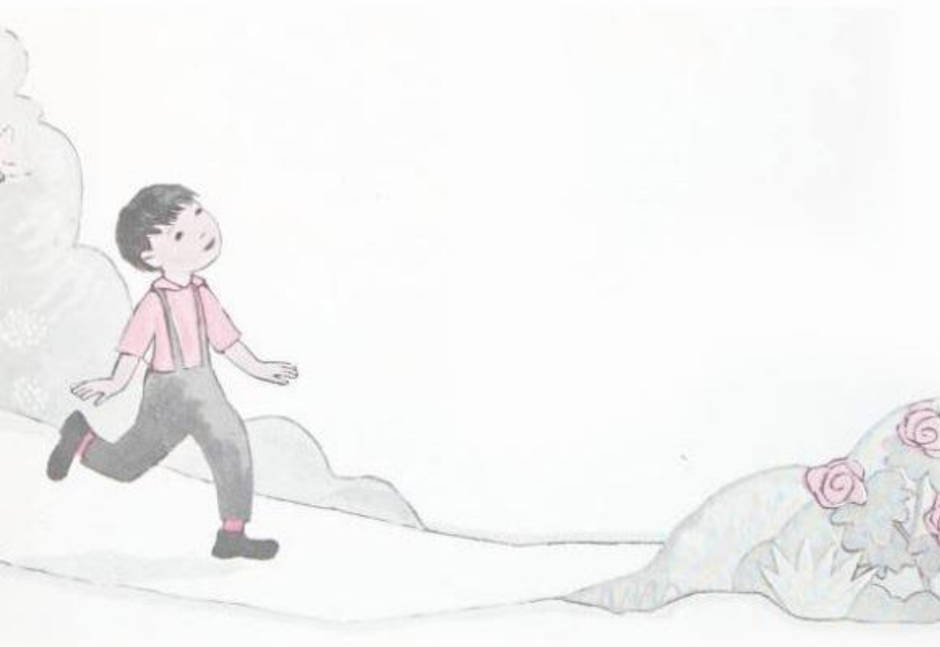

बूढ़ा जूलियन, मिशन की खूबसूरत और गौरवशाली घंटी को बजाने का काम करता था. कई बार उसने जुआन को मिशन की कहानी सुनाई थी, लेकिन जुआन को वो कहानी हमेशा नई लगती थी.

"बहुत पहले, बहुत पहले," जूलियन ने कहा, "सेंट फ्रांसिस के अनुयायी इस देश में समुद्र के पार से आए थे. फादर जुनिपेरो सेरा और अन्य अनुयायी जंगल की पगडंडियों पर चलकर आए थे. स्थानीय इंडियंस की मदद से उन्होंने वहां कई मिशन चर्च बनाए."

"वो फादर जुनिपेरो सेरा हैं," जुआन ने बगीचे में मूर्ति की ओर देखते हुए कहा. "वो मेरे दोस्त हैं."

"मिशन छोटे गांवों की तरह थे," जूलियन ने कहा. "वहां इंडियन लोग ने जूते, घोड़ों की काठी, कंबल और टोपी, औज़ार और मिट्टी के बर्तन बनाना सीखते थे - उनमें से कई चीजें वो अपने दैनिक जीवन में उपयोग करते थे.

"यह वो बड़ी चक्की है जहाँ वे मकई और गेहूँ पीसते थे."

जुआन ने अपनी उँगलियाँ एक बड़े पुराने पत्थर पर दौड़ाईं. उसे वो अहसास पसंद आया. उसे वो छोटा अस्पताल भी पसंद आया जहाँ मिशनरी फादर, बीमार इंडियंस की देखभाल करते थे, और उन सैनिकों के बैरक भी, जो चोरों और समुद्री डाकुओं से, मिशन की रक्षा करते थे.

स्कूल जाते और घर जाते समय जुआन को मिशन के बगीचे के फूलों को देखना पसंद था. पुरानी दीवारों के पास खिले हुए फूल बहुत अच्छे लगते थे!

जूलियन, मिशन में माली का काम भी करते थे. जुआन को पौधे दिखाने में उसे बहुत गर्व महसूस होता था, क्योंकि वो उनमें से हरेक फूल को जानते और उनसे प्यार करते थे. क्योंकि जूलियन ने उनकी इतनी अच्छी देखभाल की थी, इसलिए पौधों में चमकीले और सुगंधित फूल खिले थे.

बहुत से पक्षी भी बगीचे में घोसला बनाने आए थे, क्योंकि यहाँ वे एकदम मुक्त थे. पक्षी खुशी-खुशी पेड़ों के बीच उड़ान भरते और पुराने फव्वारे का ताजा पानी पीते थे. वहाँ हमिंग बर्ड्स, सफेद कबूतर, गौरैया और अन्य प्रकार के कई पक्षी थे.

जूलियन हमेशा उन्हें खिलाने के लिए अपनी जेब में सख्त डबलरोटी के टुकड़े रखता था. कबूतर आकर उनके कंधों और हाथों पर बैठ जाते थे.

लेकिन वहां सबसे खुश पक्षी अबाबील थे. जुआन उन्हें उनके प्यारे स्पेनिश नाम "लास गोलोंड्रिनास" से बुलाता था.

उनमें से सैकड़ों अबाबील, मेहराबों के ऊपर छत-बीमों के नीचे अपने घोंसले बनाते थे और उनके चहकने ने बगीचे को मधुर संगीत से भर दिया था. अबाबील वसंत ऋतु के समय कैपिस्ट्रानो को बहुत सुखद बनाते थे.

"जब से मुझे याद है," जूलियन ने जुआन से कहा, "अबाबील, वसंत में सेंट जोसेफ दिवस पर ही यहाँ आते हैं और फिर गर्मियों के बाद यहाँ से चले जाते हैं."

"लेकिन यह छोटे पक्षी यह कैसे जानते हैं कि संत जोसेफ दिवस कब आता है?" जुआन ने पूछा.

"वो मुझे नहीं पता," जूलियन ने कहा.

जुआन, अबाबीलों के बारे में जिज्ञासा से भरा था. उसने देखा कि अबाबील छत के बीमों पर अपने छोटे मिट्टी के घर बनाते थे. मादा चुपचाप अपने अंडों पर बैठती थी, जबकि नर उसके लिए एक चहकता हुआ गीत गाता था. शाम को जुआन उन्हें एक-साथ सोते हुए देखता था.

जब जूलियन की पीठ पीछे की ओर मुड़ती, तो जुआन लताओं पर चढ़कर घोंसलों को देखता और अंडों को बिना छुए उन्हें गिनता था. जब घोंसलों में छोटे-छोटे बच्चे होते, तब उसे माता-पिता को, भूखी चोंचों को खिलाते देखना पसंद था.

सबसे अच्छा समय वो होता था जब बूढ़ी अबाबील नन्हें पक्षियों को उड़ना सिखाती थीं.

एक सुबह जुआन और जूलियन ने मेहराब के पार लोहे की पट्टी पर एक पंक्ति में बैठे युवा अबाबीलों के एक परिवार को देखा. एक-एक करके बूढ़े अबाबीलों ने उन्हें उड़ने का सबक सिखाया.

सबसे पहले, जब छोटे पक्षियों ने फड़फड़ाने की कोशिश की, तो वे बहुत अनाड़ी और अजीब लग रहे थे!

उनमें से एक बच्चा जमीन पर गिर गया.

"बेचारा छोटा!" जुआन चिल्लाया और वो उसे उठाने के लिए दौड़ा. उसने चिड़िया को अपने हथेली में रखकर सहलाया और उसे शांत किया.

जब उसने देखा कि उसे चोट नहीं लगी थी, तो जूलियन ने उसे वापस लोहे की छड़ पर रख दिया. छोटा अबाबील अपने घोंसले में वापस जाने के लिए उत्सुक था. शायद वो उसके खाने का समय था.

गर्मियों में एक दिन जूलियन ने देखा कि अबाबील सामान्य से अधिक शोर मचा रहे थे और बहुत उत्साहित थे. ऐसा लग रहा था जैसे वे जाने की तैयारी में हों.

"जुआन!" वो चिल्लाया. "देखो, अब अबाबील हमें छोड़कर जा रहे हैं,"

जुआन दुखी हुआ क्योंकि उसे पता था कि उसे उनकी बहुत याद आएगी. वो उनमें से हरेक अबाबील को जानता था. वे उसके प्यारे छोटे दोस्तों की तरह थे.

अबाबील उठे और फिर वे चहकते हुए, आसमान में दक्षिण की ओर उड़ गए. जुआन और जूलियन उन्हें तब तक टकटकी लगाए देखते रहे, जब तक वे क्षितिज से परे गायब नहीं हो गए.

जूलियन ने फिर वो गीत गाया जो वो हमेशा अबाबीलों के जाते समय गाता था:

"विदाई अबाबील,

तुम्हारे लिए हम तरसेंगे.

ईश्वर तुम्हारी यात्रा मंगलमयी बनाए

और वापसी में तुम्हारा मार्गदर्शन करे."

"मैं उनकी वापसी के लिए ज़रूर प्रार्थना करूंगा," जुआन ने कहा.

अबाबील, समुद्र तट से नीचे उड़ गए.

"अबाबीलों की उड़ान कितनी अद्भुत होती है!" जूलियन ने कहा.

"ज़रा कल्पना करने की कोशिश करो जुआन, वे हवा में ऊपर, सैकड़ों और हजारों मील की यात्रा करते हैं, और नीचे अजीब और सुंदर ज़मीन को देखते हैं. मेरा मानना है कि सभी प्राणियों में ईश्वर ने अबाबीलों को सबसे अधिक स्वतंत्रता और खुशी दी है."

"लेकिन वे कहाँ जा रहे हैं?" जुआन ने पूछा.

जूलियन ने कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि वे हमसे बहुत दूर दक्षिण में जाते हैं - और उनमें से कुछ प्रशांत महासागर में बसे एक हरे द्वीप पर जाते हैं."

"कोई भी पक्के तौर पर नहीं कह सकता है, लेकिन मुझे लगता है, जुआन, कि अबाबील वहां जाते होंगे जहां फूल और मीठे पानी के झरने होंगे, और जहाँ पर लोग उनका स्वागत करते होंगे और उन्हें प्यार करते होंगे."

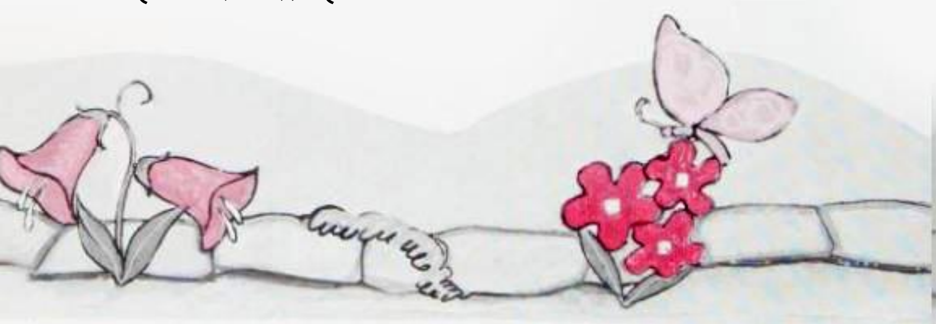

उससे जुआन के दिमाग में एक विचार आया. "जो लोग उनका स्वागत करते हैं और उनसे प्यार करते हैं.
मैं अपने घर के सामने एक बगीचा बनाऊंगा, फिर शायद अबाबील वहां अपने घोंसले बनाने के लिए आएं."

जुआन का घर गांव के छोटे पुराने मिट्टी के बने घरों में से एक था. उसे कैलिफोर्निया के शुरुआती दिनों में बनाया गया था.

छुट्टी के दौरान, जुआन ने अपना बगीचा बनाना शुरू किया. उसने बगीचों के बारे में जूलियन से बहुत कुछ सीखा था.

सबसे पहले, उसने ज़मीन खोदी. फिर उसने बड़े करीने से बड़े-बड़े पत्थरों से बगीचे के किनारों को पंक्तिबद्ध तरीके में सजाया. उसने नए फूल लगाए और पुरानी गुलाब की झाड़ी को बरामदे के खम्बों पर चढ़ा दिया. वो हमेशा अपने छोटे तालाब को, साफ पानी से भरा रखता था.

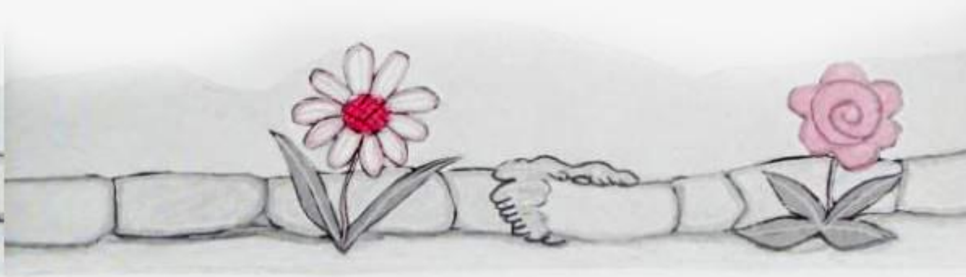

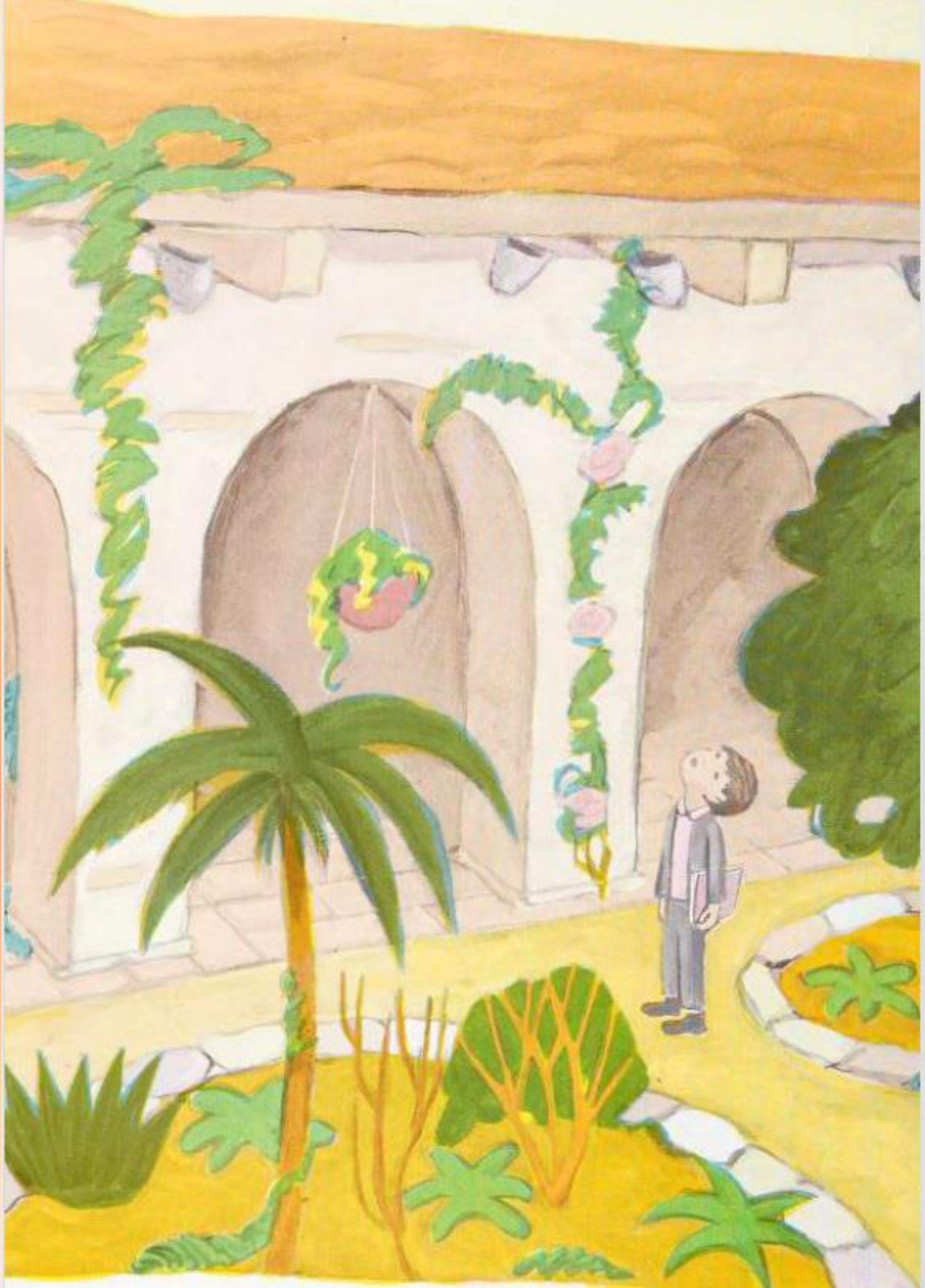

जैसे ही शरद ऋतु और सर्दियों के महीने शुरू हुए, मिशन के बगीचों में रंग शांत और अधिक मंद हो गए.

मिशन अभी भी प्यारा था लेकिन अब अबाबीलों के बिना वहां अकेलापन महसूस होता था.

स्कूल जाते समय जुआन अक्सर वहाँ रुकता था और अबाबीलों के खाली घोंसलों को उदासी से देखता था. वहाँ कभी खुशहाल अबाबील रहते थे और खेलते थे, लेकिन अब उनके छोटे-छोटे घर शांत और उदास थे. कभी-कभी जुआन वो गीत गुनगुनाता था जो उसने स्कूल में सीखा था.
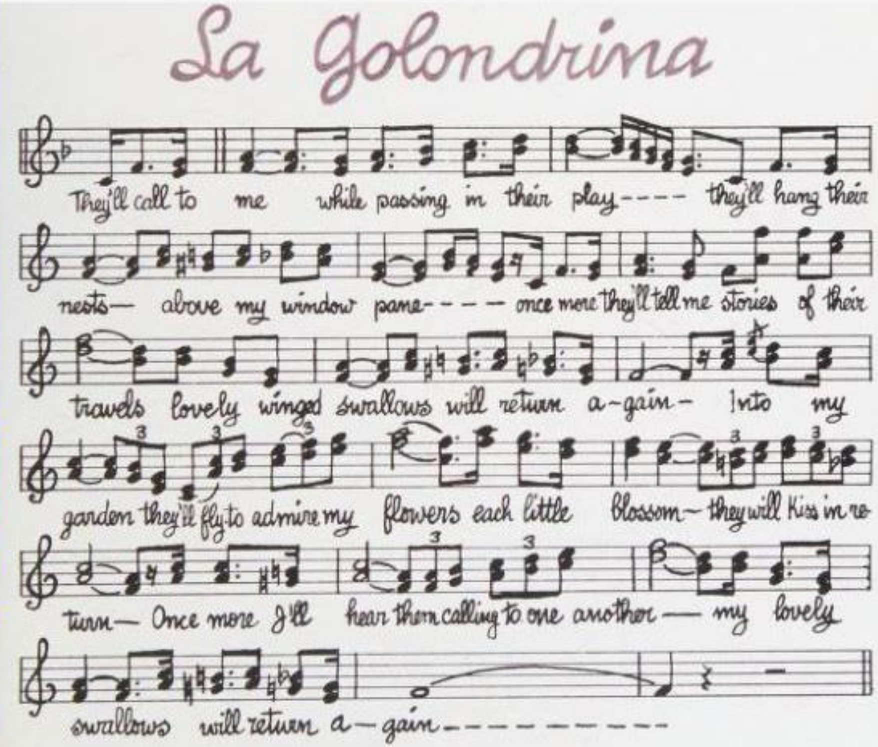
जब सर्दी के महीने समाप्त होते, तो नई कलियाँ फूलने लगतीं और पेड़ फिर से खिलने लगते थे.

जल्द ही खिले हुए पेड़ बगीचे के अंदर सैर वाली पगडंडी पर धीरे से झुक जाते थे. पेड़ों की पत्तियां सूरज की रौशनी में ज़मीन पर सुंदर नमूने बनाती थीं और उनके फूल स्वच्छ हवा को सुगंध से भर देते थे.

जुआन को ऐसा लगता था जैसे कि वो एक मंत्रमुग्ध बगीचे से गुजर रहा हो.

जूलियन, बगीचों में कड़ी मेहनत करता था, क्योंकि संत जोसेफ दिवस पास आ रहा था. वो चाहता था कि अबाबीलों की वापसी के समय उसके बगीचे सबसे सुन्दर दिखें.

संत जोसफ दिवस वाले दिन भोर के समय आकाश लाल रंग से भरा था.

जल्द ही सूरज पहाड़ियों के पीछे से उग आया और उसने घाटी पर अपनी सुनहरी चमक बिखेर दी.

जुआन और उसके दोस्त उस सुबह जल्दी आए क्योंकि वे अबाबीलों का अभिवादन करना चाहते थे. उस दिन लड़कों ने अपने सबसे अच्छे सूट पहने और लड़कियों ने अपने बालों में फूल और रिबन बांधे और अपने सबसे सुन्दर कपड़े पहने.

बच्चों ने खेल खेले, गीत गाए, नृत्य किया और उस काल के कुछ छोटे नाटक किए, जब मिशन का उस उपजाऊ घाटी पर सर्वोच्च शासन था.

ख़ुशी का उत्सव चल रहा था, पर बच्चे समय-समय पर आसमान की ओर देखते रहते थे.

क्या अबाबीले आएँगी?

बच्चे घंटों इंतजार करते रहे और आसमान को देखते रहे. जल्दी ही दोपहर हो गई, पर कोई भी अबाबील दिखाई नहीं दी. बच्चे थक कर मायूस हो गए. उनमें से कुछ तो घर जाने लगे.

तभी जुआन को, जो खेल के मैदान के किनारे एक टूटे हुए मेहराब के स्तंभ की ऊंचाई पर खड़ा था, क्षितिज पर कुछ छोटी बिंदियां दिखाई दीं.

"अबाबीलें आ रही हैं!"

बच्चे खुशी से उछल पड़े. धीरे-धीरे छोटे-छोटे बिंदु निकट आते गए. फिर वे बड़े और बड़े होते गए. जल्द ही सैकड़ों अबाबीलें मिशन के ऊपर मंडरा रही थीं.

जुआन दौड़कर गया और उसने जूलियन को गले लगाया. "देखो, अबाबीले आ गई हैं! मुझे लगा था कि वे कभी नहीं आएंगी!"

"वे कुछ देर से आईं. शायद उन्हें रास्ते में कोई तूफान मिला हो. लेकिन जुआन, मैंने तुम से कहा, कि वे ज़रूर लौटकर आएंगी. देखो वे कितनी खुश हैं!"

अबाबीले एक मायने में छोटे बच्चों की तरह ही होती हैं जो एक लंबी यात्रा के बाद फिर से घर आकर खुश होती हैं.

उन्होने फड़फड़ाते हुए और खुशी से चहकते हुए बगीचों को अपनी मधुर ध्वनि से भर दिया.

फ़िर् जुआन और जूलियन बगीचे में गए और उन्होने मिशन की घंटी बजाई, घाटी के लोगों को यह बताने के लिए कि वसंत अब शुरू हो गया था.

बच्चों ने गीत गाये.
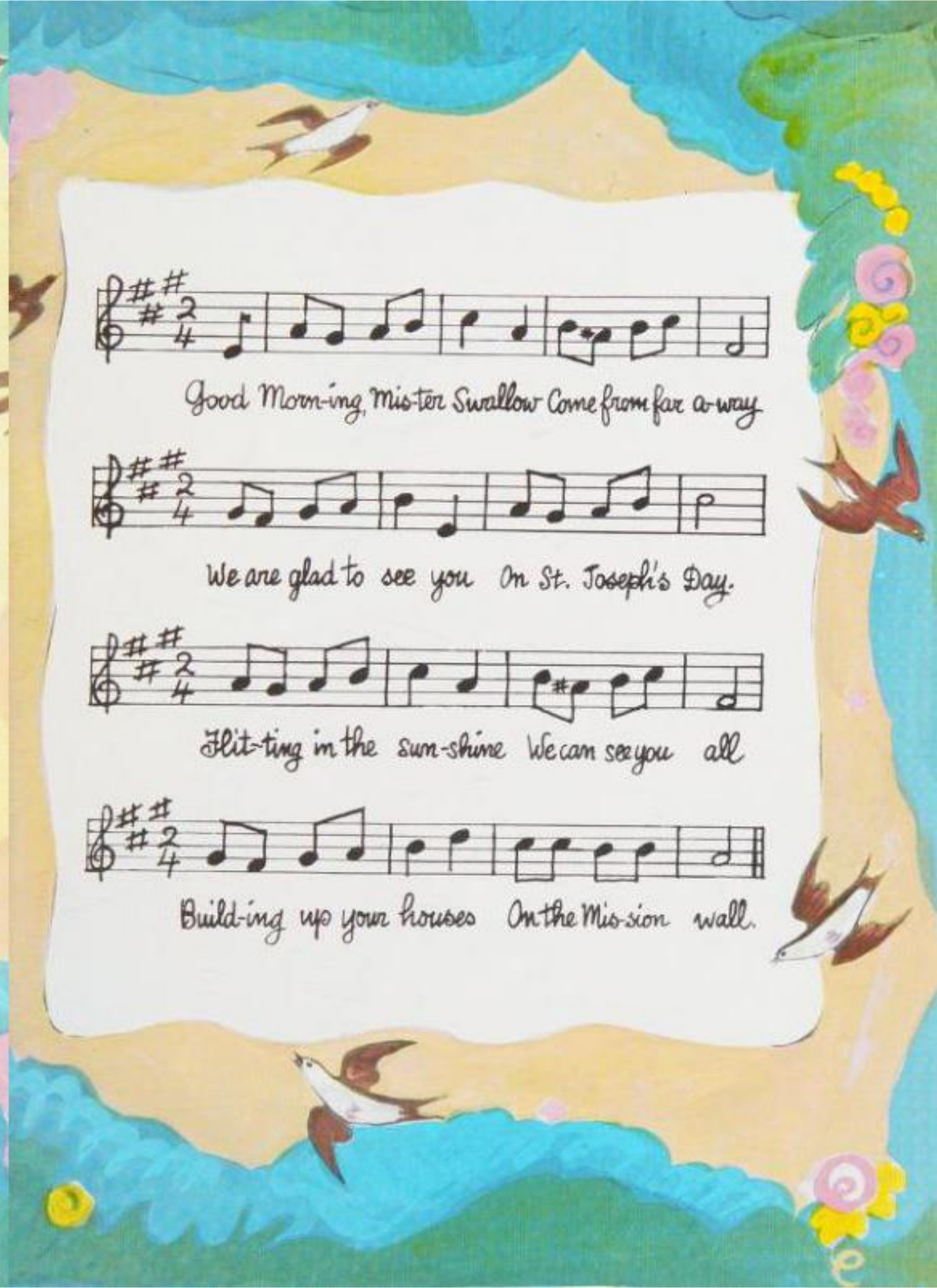
Good Morn-ing, Mis-ter Swallow Come from far a-way
We are glad to see you On St. Joseph's Day.
Flit-ting in the sun-shine We can see you all
Build-ing up your houses On the Mis-sion wall.

अचानक जुआन को कुछ याद आया और वो घर जाने के लिए बहुत उत्सुक हुआ.

"गुड इवनिंग, जूलियन," उसने कहा, और फिर वो तेज़ी से गाँव की सड़क पर चलने लगा.

जैसे ही वो घर पहुंचा, तो वो और भी खुश हुआ, क्योंकि वो जो चाहता था उसकी आशा पूरी हुई थी. उसके बगीचे के चारों ओर दो अबाबीलें फड़फड़ा रही थीं. वे वहाँ अपना घोंसला बनाने आई थीं!

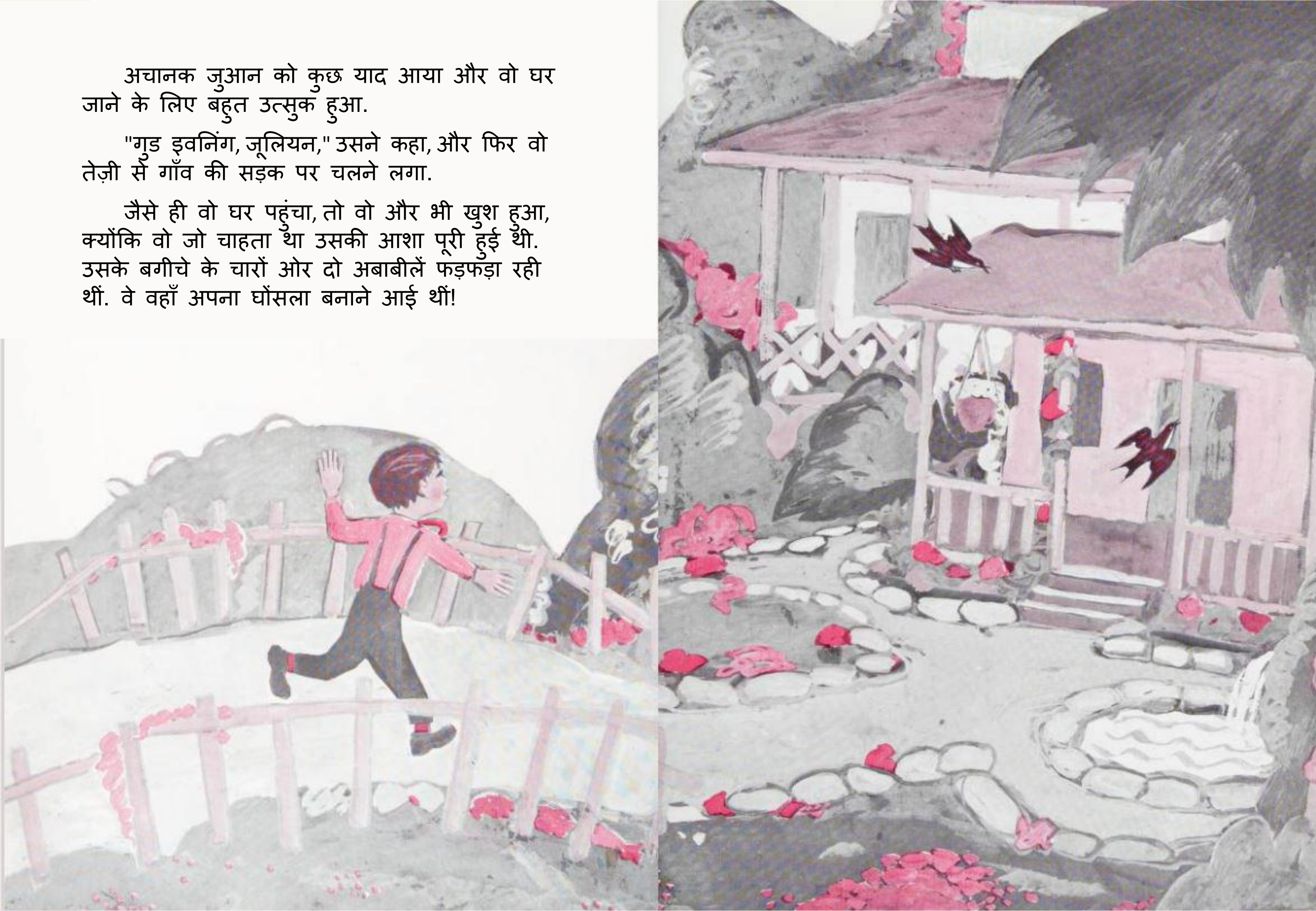

उस रात जब जुआन ने अपनी खिड़की से बाहर देखा, तो उसने देखा कि दोनों अबाबीलें गुलाब की बेल पर सो रही थीं. वे इतने पास थीं कि जुआन उनके नन्हे शरीरों के जीवन की धड़कन को महसूस कर सकता था. वो उन्हें प्यार करता था, क्योंकि वे दो प्यारे दोस्त एक लंबे समय के लिए उसके पास रहने आए थे.

और दूर चांदनी रात की शांति में जुआन को एक गीत सुनाई दे रहा था.

वो जूलियन था, जो अबाबीलों का गीत गा रहा था.